19E

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – बहिःस्थ

परीक्षा : डिसेंबर– २०२३

सत्र ४ थे

विषयः व्याकरण – ४ (19E441)

दिनांक : १४/१२/२०२३ गुण :८० वेळ : दु. २.०० ते ५.००

सूचना : १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न अनिवार्य.

प्र.१. पञ्च सूत्राणि स्पष्टीकुरुत। (२५)

१. छे च। २. झयो होऽन्यतरस्याम्। ३. खरवसानयोर्विसर्जनीयः।
४. यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा। ५. ससजुषो रुः। ६. ष्टुना ष्टुः।

प्र.२. रूपपरिचयं कुरुत। (केवलं दश) (१०)

१.आसान् २. स्थित्वा ३. युष्माकम् ४. एनम् ५. चकार
६. विदुषः ७. सम्पूज्य ८. अरीणाम् ९. कर्मणि १०. दातुम्
११. दर्शनीयः १२. क्रुद्धः

प्र.३. सामासिकपदानां विग्रहं कृत्वा समासनामानि लिखत। (केवलं दश) (१०)

१. क्षुद्रबुद्धिः २. अकारणम् ३. धारानगरी ४.अष्टाध्यायी ५. पादपः
६. उपवनम् ७. यमधर्मौ ८. भूमिगतः ९. प्रतिविभागम् १०. धनसम्पन्नः
११. पाणिपादम् १२. वागीश्वरी

प्र.४. तद्धितं कृदन्तं वा लिखित्वा शब्दानामर्थान् लिखत। (केवलं दश) (१०)

१. पाठकः २. त्यागी ३. स्तोत्रम् ४. सारमेयः ५. लुब्धः ६. दाता
७. पाण्डवाः ८. पाक्षिकम् ९. निर्मिताः १०. मौनम् ११. पथिकः १२. मीमांसकः

प्र.५. सन्धीन् विघटयत। (केवलं दश) (१०)

१. कोशोऽयम् २. कस्यास्ति ३. स एव ४. गुणेष्वपि
५. शपथेनोक्तम् ६. मुक्तास्तिष्ठन्ति ७. नैतद् ८. फलान्यपि
९. प्रकृतिमापन्नः। १०. अन्विष्यापि ११. किमयम् १२. चेति

प्र.७. नामधातुं विचिनुत रूपपरिचयं लिखत च। (केवलं पञ्च) (०५)

१) आशा येषां दासी तेषां दासायते लोकः।
२) सम्यक् जलेन भूमिः वनायते।
३) दुष्टः सर्वस्मै असूयते।
४) बालकः उत्स्वप्नायते।
५) भ्रष्टाचारः सामाजिकजीवनं कवलयति।
६) चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते तृष्णैका तरुणायते।।

प्र.८. एकं विषयमधिकृत्य संस्कृतेन निबन्धं लिखत। (१०)

१. उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि २. आदिकाव्यं रामायणम् ३. उषःकालः